वषिैली जेलीफशि

[स्रोत: द हदिू](#)

हाल ही में वशिाखापत्तनम तट पर वषिैली जेलीफशि के उत्पन्न होने की सूचना मलिी है।

- **पेलागयिा नोक्टलिुका**, जसि **माउव स्टगिर या बैंगनी-धारीदार जेलीफशि के रूप** में भी जाना जाता है, का डंक दर्दनाक होता है और दस्त, अत्यधकि दर्द, उल्टी व एनाफलिैक्टकि सदमे जैसी वभिन्नि बीमारयिों का कारण बनता है तथा इससे जीवन के लयि खतरा हो सकता है।
- यह एक **बैंगनी रंग की पारभासी प्रजात** है जो तैरते हुए गुब्बारे के समान होती है।
- यह वशि्व भर में **उष्णकटबिंधीय और गर्म तापमान वाले समुद्रों** में पाया जाता है।
- अन्य जेलीफशि प्रजातयिों के वपिरीत, इसके डंक न केवल टेंटेकल्स पर होते हैं, बल्कि शरीर के घंटीनुमा भाग पर भी होते हैं।
- ये **बायोलुमनिसेंट** हैं, जनिमें अंधेरे में रोशनी उत्पन्न करने की क्षमता है।
- **जेलफिशि की उत्पत्त तिब होती है** जब प्रजातयिों की आबादी थोड़े समय के भीतर नाटकीय रूप से बढ़ जाती है, आमतौर पर उच्च प्रजनन दर के कारण। यह अक्सर **समुद्र के बढ़ते तापमान के परणिामस्वरूप** होता है।
- अतीत में यह ज्ञात हुआ है कि इनसे मछली पकड़ने के उद्योग को बड़े पैमाने पर क्षत पिहुँची है और पर्यटन पर भी प्रभाव पड़ा है।

और पढ़ें: [505 मलियिन वर्ष पुराने जेलीफशि के जीवाश्म](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/venomous-jellyfish